2 एक जगत, एक लोक

F1C5K7

प्रकृति के तत्त्व हम सब के लिए हैं। हम सब को समानता से रहना है, बिना भेदभाव के सभी के साथ प्रेम से रहना है। आज मनुष्य की सोच अपनी दुनिया तक सीमित हो रही है। इस काव्य का भाव राष्ट्रवाद की संकीर्णता से ऊपर उठकर विश्वबंधुत्त्व की भावना विकसित करता है।

एक जगत एक लोक, सबका है एक मान, (2)
एक चंद्र, एक सूर्य, एक भूमि, आसमान – (3)
एक तेज, एक हवा, एक ही पानी
जीवन है सुख–दु:ख की एक कहानी
एक देह, एक रक्त (3) एक अस्थि, एक प्राण
.... एक जगत, एक लोक०

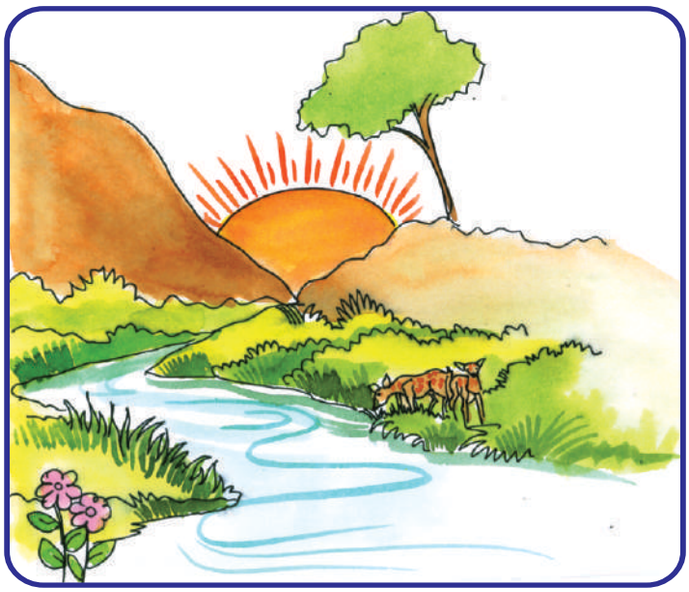

राष्ट्रों में ऐक्य यही कर्म हमारा,

प्रगति, न्याय, मानवता, – धर्म हमारा

हिलमिल के लहराएँ (3)

विश्वशांति का निशान

.... एक जगत, एक लोक०

हर्ष भरे गाएँ हम राग सुहाने

समता और ममता के गीत – तराने

घर–घर में गूँज रहा (3)

निशदिन यह मधुर गान

.... एक जगत, एक लोक०

शब्दार्थ

जग जगत, दुनिया **लोक** संसार **मान** आदर, सम्मान **भूमि** जमीन, धरती **तेज** प्रकाश **देह** तन, काया, शरीर **निशदिन** हररोज, प्रतिदिन **रक्त** लहू, खून **अस्थि** हड्डी **हर्ष** आनंद **प्राण** जान, जीव **तराना** गीत, गान **प्रगति** उन्नति, विकास **ऐक्य** एकता **राग** स्वर, ताल और लय युक्त संगीत **गान** गीत **निशान** चिह्न

अभ्यास

1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) 'एक जगत, एक लोक' ऐसा कवि ने क्यों कहा है ?

(2) 'एक रक्त' का अर्थ समझाइए।

(3) हमारा धर्म क्या होना चाहिए ?

(4) 'हमारा जीवन सुख–दु:ख की एक कहानी है' – ऐसा कवि ने क्यों कहा है?

2. ऊँचे स्वर में पढ़िए :

सूर्य, सुख-दुःख, रक्त, अस्थि, प्राण, गाएँ, गूँज, हर्ष, ऐक्य, कर्म, प्रगति, लहराएँ, विश्वशांति

3. उदाहरण के अनुसार निर्देशित वर्ण से शुरू होने वाले शब्द बनाइए :

उदाहरण :

क :	कौआ	कमल	कागज़	कौशल
ग :	_____	_____	_____	_____
घ :	_____	_____	_____	_____
च :	_____	_____	_____	_____
म :	_____	_____	_____	_____

4. शब्द सारणी :

क	पा	म	**बा**	**इ**	**बि**	**ल**	र	च	म	स्जि	द
म	र	गु	ध	न	हि	न्दू	य	ल	अ	क्ष	कु
हा	सी	गु	रु	ग्रं	थ	सा	हि	ब	वे	रा	ल
भा	फ	ब	भ	क्या	व	सी	ख	ह	स्ता	क्ष	र
र	मं	दि	र	स	रा	मा	य	ण	म	स	य
त	म	श	इ	सा	ई	ह	न	प	मु	स्लि	म

उपर्युक्त सारणी में कुछ सार्थक शब्द दिए गये हैं, उन्हें ढूँढ़िए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

जैसे : बाइबिल – बाइबिल धर्मग्रंथ है।

5. इस गीत को कक्षा में टेपरिकार्डर के द्वारा सुनाएँ ।

J9A9Q7

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) इस काव्य में प्रकृति के कौन-कौन से तत्त्व हैं ?

(2) काव्य का शीर्षक 'एक जगत एक लोक' क्यों रखा गया है?

(3) आप इस काव्य को और कौन-कौन से शीर्षक देना चाहेंगे?

(4) सभी नदियाँ अलग - अलग हैं, फिर भी कवि क्यों कहते हैं कि, 'एक ही पानी' ?

2. विलोम - अर्थ वाले शब्दों के जोड़े बनाइए और उदाहरण अनुसार वाक्य में प्रयोग कीजिए :

शब्द		विलोम
पास	×	दूर
_____	×	_____
_____	×	_____
_____	×	_____
_____	×	_____
_____	×	_____

उदाहरण : मेरे घर के पास मीना का घर है।

मीना का घर मेरे घर से दूर नहीं है।

3. उदाहरण के अनुसार समान प्रासवाले शब्द बनाकर लिखिए :

उदाहरण : आना - जाना

सुनकर, मेहरबान, सेठानी, बागबान, जेठानी, पढ़कर

4. निम्नलिखित भाव दर्शानेवाली काव्य पंक्तियाँ लिखिए :

(1) पूरे विश्व में एक ही सूर्य का प्रकाश है, एक ही हवा चल रही है, और एक ही प्रकार का जल है।

(2) समता का यह गीत पूरा विश्व हमेशा गा रहा है।

5. समानार्थी शब्द ढूँढकर घेरा बनाइए और लिखिए :

वि	श्व	चि	णि	स	सं
दु	आ	पा	ह्व	म्मा	ज्ञा
नि	का	ग	ग	न	भ
या	श	आ	स	मा	न
प्र	ति	ष्ठा	त	ह	स्त

(1) लोक – _____ _____

(2) मान – _____ _____

(3) निशान – _____ _____

(4) हाथ – _____ _____

(5) अंबर – _____ _____

6. प्रश्न 5 में आपने जो दो समानार्थी शब्द ढूँढ़े हैं, उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए : उदाहरण हाथ – पाणि

उदाहरण : सीता ने पाणि से पानी पिया।

7. नीचे दिए हुए चौरस में से उदाहरण के अनुसार संज्ञा शब्द बनाइए, और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए :

क	म	ल	अं	गं	द
सा	ग	र	हि	त	थ
स	र	म	मा	ल	वा
रं	भा	फू	ल	आ	प
क	र	व	य	र	छ
द	त	मा	ल	ती	त

जैसे : फूल – यह फूल सुंदर है।

_____

_____

_____

_____

_____

भाषा-सज्जता

इन वाक्यों को पढ़िए :

(1) ''लक्ष्मी आज स्कूल क्यों नहीं आई ?'' शिक्षिका ने पूछा।

(2) वाह ! गुड़िया तो बहुत अच्छी बनी है।

(3) किशन ने कहा, हाँ बेटी, मैं तुम्हें खिलौने बनाना जरूर सिखाऊँगा।

(4) क्यों, वहाँ कोई तकलीफ है ?

किसी भी भाषा को बोलते, पढ़ते और लिखते समय अर्थ को स्पष्ट करने के लिए वाक्यों के बीच या अंत में थोड़ा रुकना पड़ता है। इस रुकावट का संकेत देनेवाले लिपि चिह्नों को '**विरामचिह्न**' कहते हैं।

इतना जानिए

विराम चिह्न (Punctuation)

- **पूर्ण विराम** (Full Stop) इसका प्रयोग वाक्य पूर्ण होने पर होता है।

  जैसे – ☞ मोहन ने पत्र लिखा।

  ☞ सीता स्कूल नहीं गई।

- **अल्प विराम** (Comma) (,) : अल्प विराम का प्रयोग वाक्य में थोड़ा रुकने का संकेत देने के लिए होता है।

  जैसे – ☞ राम, सीता और मोहन घर गये।

  ☞ रोको मत, जाने दो।

- **प्रश्नवाचक चिह्न** (Mark of Interrogation) (?) : किसी व्यक्ति से कोई जानकारी प्राप्त करने हेतु उपयोग में लिए जानेवाले वाक्य के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न लगाया जाता है।

  जैसे – ☞ क्या तुम विद्यालय गये थे ?

  ☞ तुम क्या करते हो ?

- **विस्मयादि बोधक चिह्न** (Mark of Exclamation) (!) : आश्चर्य, घृणा, सुख, दु:ख आदि भावों को प्रकट करने के लिए इसका प्रयोग होता है। जैसे–अरे !, बापरे !, वाह !, शाबाश !, अहा !

  ☞ वाह ! आपने तो कमाल कर दिया।

  ☞ अरे ! क्या हो गया।

- **योजक** (Hyphen) (-) : योजक चिह्न का प्रयोग सामासिक शब्दों को जोड़ने के लिए होता है। जैसे – सुख–दु:ख, माता–पिता, पाप–पुण्य, देश–विदेश आदि।

  ☞ सबके जीवन में सुख–दु:ख आते रहते है।

  ☞ माता–पिता की सेवा ही सच्ची पूजा है।

- **निर्देशक** (Dash) (-) : निर्देशक चिह्न का प्रयोग वाक्य में बात को स्पष्ट करने के लिए होता है। जैसे – मोहन ने अपने मित्रों – राकेश, आकाश, अविनाश से रुपये माँगे।

  ☞ ग्राहक – इस पुस्तक का क्या मूल्य है ?

  ☞ दुकानदार – यह पचीस रुपए की है।

- **कोष्ठक** (Bracket) (( )) : किसी शब्द के अर्थ को स्पष्ट करने के लिए कोष्ठक का प्रयोग होता है।

  जैसे – अध्ययन (पढ़ना) हर क्षेत्र में लाभ देता है।

  ☞ विरुद्धार्थी (विलोम) शब्द लिखिए।

- **अवतरण चिह्न** (Inverted Commas) :

- **इकहरा :** (‘’) इकहरे अवतरण चिह्न का प्रयोग किसी के उपनाम, रचना या पुस्तक के शीर्षक आदि को उद्धृत करते समय किया जाता है,

  जैसे – ☞ ‘समझदार नन्ही’ पाठ के लेखक हैं – शंकर सुलतानपुरी।

  ☞ सूर्यकांत त्रिपाठी का उपनाम ‘निराला’ है।

- **दुहरा :** (“ ”) : किसी व्यक्ति के कथन को मूल रूप में उद्धृत करने के लिए दुहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

  जैसे – ☞ महात्मा गांधीजी ने कहा है कि – “प्रार्थना ही आत्मा की खुराक है।”

  ☞ शास्त्रीजी ने नारा दिया – “जय जवान, जय किसान”।

8. वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए :

(1) छि छि तुमने यह क्या किया

(2) वैशाली ने मयंक से कहा घर चलो

(3) वाह मज़ा आ गया

(4) अरे तुम नहीं गए

योग्यता-विस्तार

चित्र में रंग भरिए और प्रकृति के बारे में चर्चा कीजिए :

- **निम्नलिखित कविता का गान करवाएँ :**

सब की दुनिया एक

धरती है हम सब की एक

आसमान हम सब का एक

सूरज है हम सब का एक

चंदा है हम सब का एक

पानी है हम सब का एक

और पवन है सब का एक

है दुनिया में लोग अनेक

लेकिन सब की दुनिया एक

– द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी

- **ऐसी ही एकता का भाव प्रकट करनेवाली अन्य कविताएँ खोजकर लिखिए।**
- **दीपावली, ईद, पतेती, क्रिसमस जैसे त्यौहारों के बारे में जानिए।**